हर शनिवार-रविवार को चिड़ियाघर में लगेगी पाठशाला

मृत्युंजय मानी ● पटना

जागरण विशेष

चिड़ियाघर में स्कूली बच्चों की पाठशाला लगाई जाएगी। इस दौरान उन्हें पेड़-पौधों और जीव जंतु के महत्व से अवगत कराया जाएगा। साथ ही उन्हें इनकी पहचान का तरीका भी सिखाया जाएगा। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद ने बच्चों के माध्यम से जैव विविधता ह्रास को कम करने की योजना तैयार की है। प्रत्येक शनिवार और रविवार को 30-30 स्कूली बच्चों के ग्रुप को संजय गांधी जैविक उद्यान लाया

जाएगा और उन्हें वन्य प्राणियों के संरक्षण के महत्व की जानकारी देंगे। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद इस काम के लिए तीन मास्टर ट्रेनर तैयार कर रहा है। ये बच्चों को पेड़-पौधे और वनस्पतियों की पहचान करना सिखाएंगे व पक्षियों के बारे में जानकारी देंगे। अंत में ज्ञानवर्द्धन के लिए एक क्विज कराकर प्रथम तीन को पुरस्कृत किया जाएगा।

> स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और जंगली जानवरों, पेड़-पौधों के महत्व की जानकारी देने के साथ लुप्त हो रही वनस्पति, जीव-जंतु और पक्षियों के संरक्षण के लिए अगस्त माह से यह योजना शुरू की जा रही है।
>
> **डीके शुक्ला**, अध्यक्ष, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद

प्राणी सर्वेक्षण आफ इंडिया के बिहार प्रभारी डा. गोपाल शर्मा जीवन-जंतुओं के बारे में, बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और इंडियन बर्ड कंजरवेशन नेटवर्क के सदस्य डा. नवीन कुमार पक्षी के बारे में तथा साइंस कालेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा. विभीषण पंडित पेड़-पौधे एवं वनस्पति के बरे में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उपर्णा चटर्जी, दीक्षा और शिंकी कुमारी मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण ले रही हैं।